वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांकः 28 सितम्बर 2026

प्रस्तुतिः मीडिया सेल

दैनिक जागरण

Varanasi, Monday, 8 September 2025
वाराणसी संस्करण
Price ₹ 3.50/-
Pages 10

दैनिक जागरण

www.inextlive.com
Published from VARANASI
Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi
SEE PG-06



खुद को 'विक्टिम' नहीं अपनी...>4
सर्जिकल स्ट्राइक से भारत ने...>8

inext DYNAMIC EDITION

Max 30.8°C
Min 21.0°C

SENSEX 75,080.34
DOLLAR ₹ 88.39

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता अभ्यास ही असली कुंजी : प्रो. आरके

वीर बहादुर सिंह विवि के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक छात्रों के स्वागत में आयोजन

अभ्यास से बढ़ता है आत्मविश्वास, गलतियों को सुधारने का मिलता है अवसर


पूर्वांवि आर्यभट्ट सभागार में मौजूद छात्र व शिक्षक.

जौनपुर (27 सितंबर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया.

मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया.उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है.

संस्थान का नाम होता रोशन

विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है. विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है.

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए, यह एक नई यात्रा की शुरुआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है. इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है.

अभ्यास ही व्यक्ति को कार्य में बनाता दक्ष

कुलपति ने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है. अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें. असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया. उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है. कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे.

कंपनियों की जरूरत के अनुरूप तैयार होंगे छात्र

स्किल डेवलपमेंट से लेकर इंटर्नशिप और प्रोफेशनल प्रशिक्षण तक पर रहेगा जोर

जौनपुर (27 सितंबर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अब प्रशिक्षण और रोजगार की तैयारी के लिए बार-बार बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी. कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में ही ऐसा तंत्र विकसित करने की तैयारी की है, जिसमें विद्यार्थियों को स्किल डेवलपमेंट, व्यावहारिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की तैयारी एक ही व्यवस्था के तहत कराई जाएगी. इसके लिए संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां सौंपने के साथ नोडल अधिकारी और टीमों का गठन कर कार्य विभाजित किया गया है.

प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जाएंगे

नई व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताओं से तैयार करना है. पाठ्यक्रम के साथ उद्योग और रोजगार क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जाएंगे. विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता, संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास, साक्षात्कार की तैयारी, टीमवर्क और कार्यस्थल की आवश्यकताओं से परिचित कराने पर जोर रहेगा. इससे पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश में विद्यार्थियों को अतिरिक्त प्रशिक्षण के लिए दूसरे संस्थानों का सहारा कम लेना पड़ेगा. विश्वविद्यालय में इंटर्नशिप की व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा. संबंधित क्षेत्रों की संस्थाओं और कंपनियों से समन्वय कर विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव दिलाने की योजना है. जहां बाहर इंटर्नशिप आवश्यक होगी, वहां भी उसकी प्रक्रिया को विश्वविद्यालय की निगरानी में व्यवस्थित किया जाएगा. प्रशिक्षण और इंटर्नशिप से प्राप्त अनुभव को विद्यार्थियों की प्लेसमेंट तैयारी से जोड़ा जाएगा. इस तरह विद्यार्थी अंतिम वर्ष तक रोजगार के लिए आवश्यक कौशल के साथ तैयार रह सकेंगे.

> स्किल डेवलपमेंट, प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट को एक-दूसरे से जोड़कर ऐसा वातावरण तैयार किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के दौरान ही आवश्यक व्यावहारिक दक्षताएं हासिल कर सकें. इसके लिए नोडल अधिकारियों और टीमों को जिम्मेदारियां दी गई हैं, ताकि प्रत्येक स्तर पर कार्य की नियमित निगरानी हो और विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिल सकें.
>
> **प्रो. राकेश कुमार सिंह**, कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय.

अमर उजाला

अमर उजाला जौनपुर युवा Youth वाराणसी | सोमवार, 28 सितंबर 20

सफलता के लिए शॉर्टकट नहीं, निरंतर अभ्यास जरूरी : प्रो. आरके सिंह

पूविवि में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक छात्रों से संवाद कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कुलपति प्रो. आरके सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता के लिए शॉर्टकट नहीं, निरंतर अभ्यास करना जरूरी है। कुलपति ने कहा कि किसी विश्वविद्यालय की पहचान केवल उसके भवन, प्रयोगशालाओं या संसाधनों से नहीं, बल्कि वहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से बनती है। विद्यार्थियों की सफलता से परिवार और समाज के साथ संस्थान का भी गौरव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश जीवन की एक नई यात्रा की शुरुआत है। विद्यार्थियों को इस दौरान अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता और व्यक्तित्व का निरंतर विकास करना चाहिए। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक विषय में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रयोगशाला में अभ्यास और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना भी जरूरी है।



पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित संवाद के बाद छात्रों के साथ खड़े पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति। संवाद

कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए पीपीपी मॉडल यानी प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास से कार्य में दक्षता आती है और आत्मविश्वास बढ़ता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने की। इस दौरान डॉ. लक्ष्मी मौर्य, लिखांग, डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह मौजूद रहे।



डॉ. अंशुमान सिंह ने ई-ऑफिस में हिंदी

दैनिक जागरण

पूर्वांचल विवि ने जारी किया वार्षिक खेलकूद कैलेंडर

- अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं की तय की गई रूपरेखा
- एथलेटिक्स व योगासन के मुकाबले विश्वविद्यालय परिसर में होंगे

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय में खेल प्रतिभाओं को अपना दमखम दिखाने का शानदार अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के खेलकूद परिषद ने अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का वार्षिक खेलकूद कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत कुश्ती, क्रिकेट, एथलेटिक्स, योगासन, कबड्डी, हैंडबाल और बास्केटबाल समेत दर्जनों खेलों की प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय परिसर व संबद्ध महाविद्यालयों में आयोजित की जाएंगी। खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह ने कैलेंडर जारी कर सभी आयोजनों की जिम्मेदारियां तय कर दी हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में कुश्ती (पुरुष व महिला), क्रिकेट (पुरुष व महिला), एथलेटिक्स (पुरुष व महिला) और योगासन (पुरुष व महिला) की प्रतियोगिताएं होंगी। इसके अलावा टीडीपीजी कालेज, जौनपुर में बैडमिंटन (पुरुष व महिला), कबड्डी (पुरुष) और शूटिंग (पुरुष व महिला), एमपीएस पीजी कालेज, जौनपुर बॉक्सिंग (पुरुष व महिला) और कराटे (पुरुष व महिला)।

गाजीपुर के महाविद्यालय बास्केटबाल (पुरुष व महिला) की मेजबानी करेगा वहीं शक्तितोलन, शरीर सौष्ठव व ताइक्वांडो स्वामी सहजानंद पीजी कालेज, क्रासकंट्री पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय (सैदपुर) व तीरंदाजी हिंदू पीजी कालेज (जमानियां) में होगी। प्रमुख अन्य खेलों में हैंडबाल (पुरुष) फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कालेज, फुटबाल (पुरुष) राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कालेज, खो-खो (पुरुष) गुलाबी देवी पीजी कालेज सिद्दीकपुर व महिला वर्ग सहकारी पीजी कालेज मिहरावां में होगा। कबड्डी (महिला) मड़ियाहूं पीजी कालेज, वालीबाल महिला राम अवध यादव राजकीय महाविद्यालय शाहगंज व पुरुष सत्यदेव पीजी कालेज गाजीपुर में खेला जाएगा।

इसके अलावा हाकी (पुरुष व महिला) ट्रायल श्री चंद्रभान सिंह पीजी कालेज करमपुर, गाजीपुर में, हैंडबाल (महिला) राजाराम महाविद्यालय बैलोचकला, भारतोलन राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय सिंगरामऊ और वाकिंग प्रतियोगिता श्री आचार्य बलदेव पीजी कालेज पतरहीं में आयोजित होगी।

उम्मीद आफ पब्लिक

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

जौनपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित

वर्ष 01, अंक 291
जौनपुर, सोमवार
28 सितम्बर, 2026
पृष्ठ 4, मूल्य 1 रूपया

उम्मीद ऑफ पब्लिक

www.ummidofpublic.com

PRGI Reg. No.: UPHIN/25/A4413



पेज : 2 राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल 28-30 सितम्बर 2026 . . .

आरओ के नाम पर पिलाया जा रहा टंकी का पानी . . . पेज : 3

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी: प्रो. आरके सिंह

पूर्वांचल के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता



है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरूआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए 'पीपीपी मॉडल' यानी 'प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस' का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है। केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को व्यवहार में उतारना और बार-बार अभ्यास के माध्यम से उसमें निपुणता हासिल करना जरूरी है। अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है। कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वतंत्र एकता जागरण

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी : प्रो. आर.के. सिंह

पीयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

स्वतंत्र एकता जागरण



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरुआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है। कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए 'पीपीपी मॉडल' यानी 'प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस' का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है। केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को व्यवहार में उतारना और बार-बार अभ्यास के माध्यम से उसमें निपुणता हासिल करना जरूरी है। अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है। कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दैनिक मान्यवर

विश्वविद्यालय परिसर में होंगी प्रमुख प्रतियोगिताएं

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के खेलकूद परिषद ने अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का वार्षिक खेलकूद कैलेंडर जारी कर दिया है। खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह की ओर से जारी कैलेंडर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। खेलकूद कैलेंडर के अनुसार कुश्ती पुरुष एवं महिला, क्रिकेट पुरुष, क्रिकेट महिला तथा एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिताओं का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इसके अलावा योगासन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता भी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। इस तरह विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल विधाओं की महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।बैडमिंटन पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर , हैंडबाल पुरुष की फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज, जौनपुर तथा फुटबॉल पुरुष की जिम्मेदारी राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कॉलेज, जौनपुर को दी गई है। खो-खो पुरुष के लिए गुलाबी देवी पीजी कॉलेज, सिद्दीकपुर तथा खो-खो महिला के लिए सहकारी पीजी कॉलेज, मिहरावां को आयोजन की जिम्मेदारी मिली है। बास्केटबाल पुरुष के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है। कबड्डी पुरुष के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर तथा कबड्डी महिला के लिए मड़ियाहूं पीजी कॉलेज, मड़ियाहूं जौनपुर को जिम्मेदारी दी गई है। वालीबाल पुरुष की प्रतियोगिता सत्यदेव पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा क्रासकंट्री पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिता पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर में होगी।

अमर भारती

अमर भारती
लखनऊ, सोमवार, 28 सितम्बर 2026

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी: प्रो.आर के सिंह

•पीयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

अमर भारती ब्यूरो



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरुआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए 'पीपीपी मॉडल' यानी 'प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस' का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है। केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को व्यवहार में उतारना और बार-बार अभ्यास के माध्यम से उसमें निपुणता हासिल करना जरूरी है। अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है। कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अमन की शान

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, निरंतर अभ्यास ही असली कुंजी: प्रो. आरके सिंह

पीयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी, कुलपति ने नवागंतुक विद्यार्थियों को दिया 'पीपीपी मॉडल' का मंत्र

अमन की शान



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय स्थित इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आरके सिंह ने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के जरिए सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। विद्यार्थियों को सफलता के लिए 'पीपीपी मॉडल' यानी प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। निरंतर अभ्यास से कार्य में दक्षता बढ़ती है, आत्मविश्वास मजबूत होता है और गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि किसी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भवनों या आधुनिक प्रयोगशालाओं से नहीं, बल्कि वहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विद्यार्थियों की प्रतिभा और कृतित्व से ही शिक्षण संस्थान की प्रतिष्ठा बनती है। कुलपति ने नवागंतुकों से कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि जरूर है, लेकिन यह अंतिम लक्ष्य नहीं बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है। इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करनी चाहिए। बदलती तकनीक और उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप स्वयं को लगातार अपडेट करना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर करने तथा असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानने की सलाह दी। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि सफलता के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष व्यक्ति को लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मी मौर्य, शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आज

आज
जौनपुर
वाराणसी, २८ सितम्बर, २०२६

सफलता का कोई शार्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी-प्रो. आरके सिंह

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार



में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरुआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है। कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए 'पीपीपी मॉडल' यानी 'प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस' का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है। केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को व्यवहार में उतारना और बार-बार अभ्यास के माध्यम से उसमें निपुणता हासिल करना जरूरी है। अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है। कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दआइडियल इंडिया

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी : प्रो. आर.के. सिंह

पीयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन, जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार



को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरूआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है। कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए ह्यूपीपीपी मॉडलह्न यानी ह्यूप्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिसह्न का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है। केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को व्यवहार में उतारना और बार-बार अभ्यास के माध्यम से उसमें निपुणता हासिल करना जरूरी है। अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है। कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दआइडियल इंडिया

पीयू ने जारी किया सत्र 2026-27 का खेलकूद कैलेंडर

विश्वविद्यालय परिसर में होंगी प्रमुख प्रतियोगिताएं, विभिन्न महाविद्यालयों को भी मिली जिम्मेदारी

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन, जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के खेलकूद परिषद ने सत्र 2026-27 के लिए अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का वार्षिक खेलकूद कैलेंडर जारी कर दिया है। खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह की ओर से जारी कैलेंडर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।विश्वविद्यालय परिसर में होंगी ये प्रतियोगिताएं। खेलकूद कैलेंडर के अनुसार कुश्ती पुरुष एवं महिला, क्रिकेट पुरुष, क्रिकेट महिला तथा एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिताओं का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इसके अलावा योगासन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता भी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। इस तरह विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल विधाओं की महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालयों को मिली विभिन्न खेलों की जिम्मेदारी। बैडमिंटन पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर , हैंडबाल पुरुष की फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज, जौनपुर तथा फुटबॉल पुरुष की जिम्मेदारी राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कॉलेज, जौनपुर को दी गई है। खो-खो पुरुष के लिए गुलाबी देवी पीजी कॉलेज, सिद्दीकपुर तथा खो-खो महिला के लिए सहकारी पीजी कॉलेज, मिहरावां को आयोजन की जिम्मेदारी मिली है। बास्केटबाल पुरुष के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है।कबड्डी पुरुष के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर तथा कबड्डी महिला के लिए मड़ियाहूं पीजी कॉलेज, मड़ियाहूं जौनपुर को जिम्मेदारी दी गई है। वालीबाल पुरुष की प्रतियोगिता सत्यदेव पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा क्रासकंट्री पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिता पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर में होगी।ट्रायल स्तर पर हॉकी महिला एवं पुरुष के लिए श्री मेघबरन सिंह पीजी कॉलेज, करमपुर, गाजीपुर को जिम्मेदारी दी गई है। शक्तितोलन पुरुष एवं महिला तथा शरीर सौष्ठव पुरुष के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है। बास्केटबाल महिला के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा ताइक्वांडो पुरुष एवं महिला के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को जिम्मेदारी मिली है। बॉक्सिंग पुरुष एवं महिला के लिए श्री आचार्य बलदेव पीजी कॉलेज पतरही, जौनपुर, शूटिंग पुरुष एवं महिला के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर, हैंडबाल महिला के लिए राजाराम महाविद्यालय, बैलोनाकला, जौनपुर तथा वालीबाल महिला के लिए राम अवध यादव गन्ना कृषक महाविद्यालय, ताखा, शाहगंज, जौनपुर को प्रतियोगिताएं आवंटित की गई हैं।इसी क्रम में कराटे पुरुष एवं महिला और वूशू पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, जौनपुर, तीरंदाजी पुरुष एवं महिला की हिन्दू पीजी कॉलेज, जमानियां, गाजीपुर तथा भारतोलन महिला एवं पुरुष की राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ, जौनपुर को दी गई है। बॉक्सिंग की जिम्मेदारी श्री आचार्य बलदेव पीजी कॉलेज, पतरही, जौनपुर को सौंपी गई है।खेलकूद परिषद की ओर से जारी कैलेंडर के माध्यम से सत्र 2026-27 में होने वाली अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की जिम्मेदारियां स्पष्ट कर दी गई हैं, जिससे प्रतियोगिताओं के संचालन की तैयारियां निर्धारित जिम्मेदारी वाले संस्थानों द्वारा की जा सकेंगी।

अमृत प्रभात



कुलपति ने फ्रेशर्स को दिया सफलता का मंत्र

अमृत प्रभात, जौनपुर (नि.सं.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि संस्थान की असली पहचान भव्य भवनों से नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की उपलब्धियों और उनके आचरण से होती है। उन्होंने सफलता का मूलमंत्र देते हुए ह्यपीपीपी मॉडलह्ण यानी ह्यप्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिसह्ण का सूत्र दिया और निरंतर अभ्यास, अनुशासन व समय के सदुपयोग को सफलता की असली कुंजी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने अपने जीवन-संघर्ष का प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना करने की सीख दी। इस दौरान विभाग के कई शिक्षक और गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

पायनियर

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजीः प्रो. आर.के. सिंह

❖ पीयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन



पायनियर संवाददाता। जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरुआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए 'पीपीपी मॉडल' यानी 'प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस' का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है। केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को व्यवहार में उतारना और बार-बार अभ्यास के माध्यम से उसमें निपुणता हासिल करना जरूरी है। अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है।

उत्तर शक्ति

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी: प्रो.आर.के. सिंह

पीयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरूआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए 'पीपीपी मॉडल' यानी 'प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस' का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है। केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को व्यवहार में उतारना और बार-बार अभ्यास के माध्यम से उसमें निपुणता हासिल करना जरूरी है। अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है।

कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

पीयू ने जारी किया सत्र 2026-27 का खेलकूद कैलेंडर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के खेलकूद परिषद ने सत्र 2026-27 के लिए अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का वार्षिक खेलकूद कैलेंडर जारी कर दिया है। खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह की ओर से जारी कैलेंडर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में होंगी ये प्रतियोगिताएं: खेलकूद कैलेंडर के अनुसार कुश्ती पुरुष एवं महिला, क्रिकेट पुरुष, क्रिकेट महिला तथा एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिताओं का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इसके अलावा योगासन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता भी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। इस तरह विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल विधाओं की महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

महाविद्यालयों को मिली विभिन्न खेलों की जिम्मेदारी: बैडमिंटन पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर को, हैंडबाल पुरुष की फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज, जौनपुर को तथा फुटबॉल पुरुष की जिम्मेदारी राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कॉलेज, जौनपुर को दी गई है। खो-खो पुरुष के लिए गुलाबी देवी पीजी कॉलेज, सिद्दीकपुर तथा खो-खो महिला के लिए सहकारी पीजी कॉलेज, मिहरावां को आयोजन की जिम्मेदारी मिली है। बास्केटबाल पुरुष के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है।

विश्वविद्यालय परिसर में होंगी प्रमुख प्रतियोगिताएं, विभिन्न महाविद्यालयों को भी मिली जिम्मेदारी

कबड्डी पुरुष के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर तथा कबड्डी महिला के लिए मड़ियाहूं पीजी कॉलेज, मड़ियाहूं को जिम्मेदारी दी गई है। वालीबाल पुरुष की प्रतियोगिता सत्यदेव पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा क्रासकंट्री पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिता पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर में होगी।

ट्रायल स्तर पर हॉकी महिला एवं पुरुष के लिए श्री चंद्रभान सिंह पीजी कॉलेज, करमपुर, गाजीपुर को जिम्मेदारी दी गई है। शक्तितोलन पुरुष एवं महिला तथा शरीर सौष्ठव पुरुष के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है। बास्केटबाल महिला के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा ताइक्वांडो पुरुष एवं महिला के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को जिम्मेदारी मिली है।

बॉक्सिंग पुरुष एवं महिला के लिए एमपीएस पीजी कॉलेज, जौनपुर, शूटिंग पुरुष एवं महिला के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर, हैंडबाल महिला के लिए राजाराम महाविद्यालय, बैलोचकला, जौनपुर तथा वालीबाल महिला के लिए राम अवध यादव राजकीय महिला महाविद्यालय, तारा, शाहगंज, जौनपुर को प्रतियोगिताएं आवंटित की गई हैं।

इसी क्रम में कराटे पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी एमपीएस पीजी कॉलेज, जौनपुर, तीरंदाजी पुरुष एवं महिला की हिन्दू पीजी कॉलेज, जमानियां, गाजीपुर तथा भारतोलन महिला एवं पुरुष की राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ, जौनपुर को दी गई है। वाकिंग की जिम्मेदारी श्री आचार्य बलदेव पीजी कॉलेज, पतहरिया, जौनपुर को सौंपी गई है।

खेलकूद परिषद की ओर से जारी कैलेंडर के माध्यम से सत्र 2026-27 में होने वाली अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की जिम्मेदारियां स्पष्ट कर दी गई हैं, जिससे प्रतियोगिताओं के संचालन की तैयारियां निर्धारित जिम्मेदारी वाले संस्थानों द्वारा की जा सकेंगी।

जनसंदेश टाइम्स

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, सोमवार, 28 सितम्बर, 2026

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी : प्रो. आरके सिंह

कार्यक्रम

पीयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

जनसंदेश न्यूज



फ्रेशर पार्टी में उपस्थित छात्र छात्राएं

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरूआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है। कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जौनपुर धारा

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी : आरके सिंह

पीयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी, कुलपति ने विद्यार्थियों को दिया 'पीपीपी मॉडल' का मंत्र



जौनपुर धारा
जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी आयोजित की गई। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आरके सिंह ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास को जीवन का हिस्सा बनाने की सीख दी। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि किसी विश्वविद्यालय की पहचान केवल उसके भवन, प्रयोगशालाओं या शिक्षकों की संख्या से नहीं होती, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से बनती है।ि विद्यार्थियों की प्रतिभा और कृतित्व से ही शिक्षण संस्थान का नाम आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना महत्वपूर्ण उपलब्धि जरूर है, लेकिन यह अंतिम लक्ष्य नहीं बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी क्षेत्र में सफलता के लिए सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रयोगशाला अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना जरूरी है। कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए 'पीपीपी मॉडल' यानी 'प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस' का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास से कार्य में दक्षता आती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। गलतियों से सीखते हुए बार-बार प्रयास करने से कठिन लक्ष्यों को हासिल करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करने और असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानने का आह्वान किया। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने की। उन्होंने अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रसंग साझा करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों का सामना करने और संघर्ष से ही व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनता है। कार्यक्रम में डॉ.लक्ष्मी मौर्य, शिवांग, डॉ.सत्यम उपाध्याय, डॉ.सौरभ कुमार, डॉ.जया शुक्ला, डॉ.अनुराग सिंह, डॉ.मनीष गुप्ता, डॉ.श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव सहित विभाग के शिक्षक मौजूद रहे।

आज का परिणाम

विश्वविद्यालय परिसर में होंगी प्रमुख प्रतियोगिताएं

ब्यूरो आज का परिणाम/ जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के खेलकूद परिषद ने अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का वार्षिक खेलकूद कैलेंडर जारी कर दिया है। खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह की ओर से जारी कैलेंडर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों को अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। खेलकूद कैलेंडर के अनुसार कुश्ती पुरुष एवं महिला, क्रिकेट पुरुष, क्रिकेट महिला तथा एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिताओं का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इसके अलावा योगासन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता भी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। इस तरह विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल विधाओं की महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।बैडमिंटन पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर , हैंडबाल पुरुष की फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज, जौनपुर तथा फुटबॉल पुरुष की जिम्मेदारी राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कॉलेज, जौनपुर को दी गई है। खो–खो पुरुष के लिए गुलाबी देवी पीजी कॉलेज, सिद्दीकपुर तथा खो–खो महिला के लिए सहकारी पीजी कॉलेज, मिहरावां को आयोजन की जिम्मेदारी मिली है। बास्केटबाल पुरुष के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है।कबड्डी पुरुष के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर तथा कबड्डी महिला के लिए मड़ियाहूं पीजी कॉलेज, मड़ियाहूं जौनपुर को जिम्मेदारी दी गई है। वालीबाल पुरुष की प्रतियोगिता सत्यदेव पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा क्रासकंट्री पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिता पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर में होगी। जारी कैलेंडर के माध्यम से सत्र 2026–27 में होने वाली अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की जिम्मेदारियां स्पष्ट कर दी गई हैं, जिससे प्रतियोगिताओं के संचालन की तैयारियां निर्धारित जिम्मेदारी वाले संस्थानों द्वारा की जा सकेंगी।

सफलता का शार्टकट नहीं, अभ्यास ही कुंजी

ब्यूरो आज का परिणाम/ जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है। अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन–संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है। डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

परफेक्ट मिशन

सफलता का कोई शार्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी : प्रो. आर.के. सिंह

परफेक्ट मिशन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरुआत



है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है। कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए 'पीपीपी मॉडल' यानी 'प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस' का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है। केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को व्यवहार में उतारना और बार-बार अभ्यास के माध्यम से उसमें निपुणता हासिल करना जरूरी है। अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें।

नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है। कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मन्दिर माध्यमिक विद्यालय गौराबादशाहपुर के बच्चों ने जीते 33 मेडल

जौनपुर। जन शिक्षा समिति काशी प्रदेश द्वारा आयोजित प्रांतीय खेलकूद समारोह में सरस्वती शिशु मंदिर माध्यमिक विद्यालय गौराबादशाहपुर के 26 भैया—बहनों ने प्रतिभाग किया। यह प्रतियोगिता सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज मयंक माझावर सुल्तानपुर में सम्पन्न हुई जहां सरस्वती शिशु मन्दिर माध्यमिक विद्यालय गौराबादशाहपुर को प्रान्त में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। विद्यालय के भैया—बहनों ने 7 गोल्ड मेडल, 18 सिल्वर मेडल एवं 8 रजत मेडल प्राप्त किये। शिशु वर्ग में भैया देव सिंह ने व्यक्तिगत चैंपियन तथा बाल वर्ग में बहन रिया यादव ने व्यक्तिगत चैंपियन शिल्ड प्राप्त किया। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले भैया बहनों में तेजल सिंह, सौम्या, अंशिका, शिवांगी चौहान, देव सिंह, रिया यादव, आदित्य यादव, आयुष यादव शामिल हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य कमलेश जी ने सभी भैया—बहनों को शुभकामना दिया।